पांच साल में अंतर्राष्ट्रीय होगा सीआईएमपी

संस्थान के दसवें स्थापना दिवस पर बोले निदेशक- एक कमरे से शुरू हुई थी यात्रा, मुश्किलों का भी किया सामना

पटना • डीबी स्टार

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान रविवार को दस साल का हो गया। दसवें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में निदेशक प्रो. बी. मुकुंद दास ने कहा कि एएन सिन्हा इंस्टिट्यूट के एक कमरे से शुरू होकर 10 एकड़ के कैंपस में पहुंचने की 10 साल की यह यात्रा संघर्ष से भरी रही। हमलोगों ने काफी मुश्किल घड़ियों का सामना किया, लेकिन झंझावातों के बाद भी हम इस स्तर तक पहुंचने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमने मुश्किलों का सामना किया और खुशी है कि आज यह संस्थान देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों में से एक है। निदेशक ने कहा कि अगले पांच साल में संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर का बन जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार और यहां के लोगों के साथ भावनात्मक लगाव है, यहां के लिए वो हमेशा काम करते रहेंगे।

इस मौके पर संस्थान के 8 बैच से पासआउट छात्र भी पहुंचे थे। उनलोगों ने भी अपने अनुभव बांटे। पूर्व छात्र मनीष पाठक ने बताया कि ये संस्था सभी बच्चों को अच्छा माहौल और संसाधन प्रदान करता है। साथ ही अन्य संस्थानों के छात्रों से प्रतिस्पर्धा करने का आत्मविश्वास देता है। वहीं आईटीसी में काम कर रहे अमृतेश वर्मा ने कहा कि यहां की शिक्षा जीवन में उपयोगी साबित हुई। छात्रा पूजा सिंह ने कहा कि सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है। इस मौके पर संस्थान के सभी शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।

अगले साल से शुरू होंगे नए कोर्सेस

निदेशक दास ने कहा कि इस साल सभी छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। कुल 25 कंपनियां संस्थान में आई थी, जिसमें नेस्ले, टीएएस, आईटीसी, कैफे कॉफी डे, सीपी इत्यादि शामिल हैं। अगले साल से पीएचडी, मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम और अन्य कोर्सेस भी शुरू होंगी। मुकुंद दास ने बताया कि संस्थान के सभी शिक्षकों द्वारा 50 रिसर्च प्रोजेक्ट पूरे किए गए हैं। साथ ही शिक्षकों ने 47 विभिन्न देशों में अपना पेपर प्रेजेंट किया है। इन दस वर्षों में संस्थान को पांच अंतर्राष्ट्रीय व दो राष्ट्रीय अवार्ड से भी नवाजा गया है। आगे भी संस्थान का ये प्रयास रहेगा की छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। मुकुंद दास ने बिहार के छात्रों पर बात करते हुए बताया कि बिहार की लड़कियों में आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं है। अंग्रेजी भाषा में यहां के छात्र पिछड़ जाते हैं। इसके लिए कॉलेज का प्रयास रहता है कि अंग्रेजी भाषा को लेकर उनकी झिझक खत्म हो।

Dainik Bhaskar (City Activity) ! Page.NO-02 ! Dated:05-02-2018

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट में आयोजित सीआइएमपी कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

पांच साल में सीआइएमपी बनेगा अंतरराष्ट्रीय संस्थान

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज परिसर में एक कमरे से प्रारंभ चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) 10 वर्षों में काफी संघर्ष कर देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की कतार में आज खड़ा है। और शर्त के साथ कह रहा हूं कि अगले पांच सालों में यह अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों की श्रेणी में शामिल रहेगा। ये बातें रविवार को निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने संस्थान के 10 साल पूरा होने पर आयोजित वार्षिकोत्सव में कहीं। उन्होंने बताया कि संस्थान ने अपने एक दशक की यात्रा में पांच अंतरराष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। यहां के सैकड़ों छात्र केपीएमजी, टीएएस, नेस्ले, आइटीसी, सीपी, कैफे कॉफी डे और दुनिया भर की नामचीन कंपनियों में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। सीआइएमपी और सूबे का नाम रोशन कर रहे हैं। अब पूर्ववर्ती छात्र यहां के विद्यार्थियों को सहयोग देने की स्थिति में हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हर जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई, लेकिन कभी प्रबंधन में हस्तक्षेप नहीं किया।

10 साल में मिले पांच अंतरराष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय पुरस्कार

पूर्ववर्ती छात्र हुए शामिल

वार्षिकोत्सव में अबतक के उत्तीर्ण सभी आठ बैच के विद्यार्थी शामिल हुए। केपीएमजी में कार्यरत दूसरे बैच के छात्र मनीष पाठक ने कहा कि सीआइएमपी का माहौल अन्य संस्थानों से जुदा है। अच्छा माहौल और संसाधन के कारण यहां के छात्र अन्य बी-स्कूलों के पासआउट छात्रों से बेहतर कर रहे हैं। आइटीसी में कार्यरत अमृतेश वर्मा ने कहा कि उन्हें पांच आइआइएम से कॉल आया था, लेकिन सीआइएमपी में प्रवेश लेने का फैसला किया। यहां की फैकल्टी और प्लेसमेंट ने आइआइएम नहीं जाने के फैसले को सही साबित कर दिखाया। आठवें बैच की छात्रा पूजा सिंह ने कहा कि सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है। उसने वर्तमान बैच के पीजीडीएम छात्रों को 'लर्न टू लर्न' के लिए प्रेरित किया। जूनियर बैच के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों और पूर्ववर्ती छात्रों का स्वागत किया।

Dainik Jagran(Jagran City) !
Page.No-02 ! Dated:05-02-2018

CIMP celebrates 10th anniversary

Nandini
htpatna@hindustantimes.com

Guests and officials at the 10th foundation day function of CIMP, in Patna on Sunday. AP DUBE/HT PHOTO

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) celebrated its 10th anniversary, here on Sunday. The foundation day function was attended by the students of CIMP and alumni from previous eight batches.

CIMP director, V Mukund Das, said that it appears as if it is a matter of yesterday. Starting off from a symbolic one-room institute in the premises of A N Sinha Institute of Social Sciences to this sprawling 10-acres state-of-the-art campus was not an easy journey. We had to face several ups and downs. But thanks to the visionary leadership of our chief minister Nitish Kumar Ji, we weathered all storms. CIMP is the only institute that the CM has been hand-holding, yet he never interfered.

He further said that the institute has bagged five international and two national awards during its decade of a journey.

He expressed satisfaction with the performance of alumni who have been working in various international and national organisations, saying that it brings laurels to CIMP and the state of Bihar.

Alumni from all the eight passed out batches shared their experiences on the occasion. Alumnus of the second batch, Manish Pathak who is working with KPMG, said the institute provides an ambience and resources to its students so that they can compete with the pass-outs from the pioneer B-schools.

Another alumnus Amritesh Verma who is currently working with ITC, said that he had calls from five IIMs, but he chose to join CIMP and now he realises that he had made the right call. Alumnus of the eighth batch Puja Singh said that learning is an endless process and asked the PGDM students of both the batches to learn how to learn.

Hindustan Times ! Page.No-03 ! Dated:05-02-2018

नोटिस बोर्ड

इंटर परीक्षा कल से

पटना। बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट 2018 परीक्षा मंगलवार से राज्य में शुरू हो रही है। परीक्षा 16 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा में नकल रोकने के लिए बोर्ड ने सख्त कदम उठाए हैं।

अगर किसी परीक्षा केंद्र पर कदाचार की घटना होगी तो ऐसे केंद्रों को तुरंत रद्द कर दिया जायेगा। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 1384 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। 12 लाख, 07 हजार 986 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर बिहार बोर्ड ने खास इंतजाम किये है। सभी केंद्रों पर सीसी टीवी कैमरे के साथ वीडियोग्राफी भी की जायेगी। सभी केंद्रों व उसके आसपास में धारा 144 लगा दी गयी है। कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए बिहार बोर्ड bihar board exam 2018 नाम से एक व्हाट्सप ग्रुप बनाया है।

सीआईएमपी के स्थापना दिवस पर रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्रा।

योजना बंद की, अब बुनियादी परीक्षा लेने का फरमान

पटना। केन्द्र सरकार के परस्पर विरोधाभासी निर्णय ने बिहार को पसोपेश में डाल दिया है। केन्द्र ने एक तरफ केन्द्र प्रायोजित साक्षर भारत कार्यक्रम को बंद करने के निर्णय लिया है। बिहार समेत अन्य राज्यों में इस योजना के तहत राज्य मुख्यालय, जिलों और पंचायत के स्तर पर संचालित बैंक खातों को बंद कर दिया है, दूसरी तरफ उसने 25 मार्च को बुनियादी साक्षरता परीक्षा लेने का फरमान भेजा है। योजना के तहत कार्यरत हजारों प्रेरक, प्रखंड, जिला व राज्य समन्वयकों का मानदेय 18 माह से बकाया है।

गत 31 दिसम्बर 2017 को समाप्त साक्षर भारत कार्यक्रम के बारे में 2 जनवरी को दिल्ली में हुई बैठक में राज्यों को बता दिया गया था कि इसकी अवधि नहीं बढ़ेगी। अब पिछले सप्ताह साक्षर भारत कार्यक्रम के निदेशक डॉ. रामकृष्ण सुरा ने बिहार के जनशिक्षा निदेशक विनोदानंद झा को पत्र भेज 25 मार्च को बुनियादी साक्षरता परीक्षा कराने के लिए कहा है। तैयारी के लिए आठ चरणों का कार्यक्रम भी भेजा है। बिहार ने केन्द्र के इस फरमान का विरोध करने का मन बनाया है। जनशिक्षा उपनिदेशक ओपी शुक्ला ने कहा कि योजना को जिस हाल में नेशनल लिटरेसी मिशन ने पहुंचा दिया है, उसमें इतनी बड़ी परीक्षा संचालित करना संभव नहीं है। जल्द केन्द्र को पत्र भेजा जाएगा। बिहार में 18 सितम्बर 2017 को हुई बुनियादी साक्षरता परीक्षा में करीब 22 लाख नवसाक्षर शामिल हुए। आठ साल में राज्य के एक करोड़ 29 लाख 55 हजार 858 नवसाक्षरों ने एनआईओएस द्वारा साक्षर होने का प्रमाणपत्र पाया है। वर्ष 2010-11 से 2016-17 के दौरान परीक्षा के लिए 1.73 करोड़ नवसाक्षरों ने रजिस्ट्रेशन कराया।

कनाडा की संस्था और सीआईएमपी के बीच एक्सचेंज प्रोग्राम को लेकर हुआ करार

सीआईएमपी के छात्र पढ़ने जाएंगे कनाडा

⊙ पटना। कार्यालय संवाददाता

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में अगले दो माह में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत कनाडा के छात्र यहां पढ़ने आएंगे और यहां के विद्यार्थी भी वहां पढ़ने जाएंगे। इसको लेकर सीआईएमपी और कनाडा की संस्था के बीच में करार हुआ है।

रविवार को सीआईएमपी के 10 वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में ये बातें संस्थान के निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास ने बताईं। उन्होंने कहा कि वे कई और संस्थानों के साथ वार्ता कर रहे हैं। स्टडी के लिए कनाडा और शोध के लिए मैनचेस्टर स्थित एक संस्था के साथ करार हुआ है। इस संबंध में विशेष बातचीत के दौरान डॉ. दास ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि दो माह में एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू हो जाएगा। कार्यक्रम में शिरकत कर रहे विद्यार्थियों और एलुमिनी से डॉ. दास ने बिहार के लिए भी कुछ करने की अपील की। इस संबंध में उन्होंने हर संभव मदद देने का भी आह्वान किया।

अगले दो माह में शुरू हो जाएगा यह प्रोग्राम, पहले कनाडा के विद्यार्थी सीआईएमपी आएंगे

रिसर्च के लिए सीआईएमपी का ब्रिटेन के मैनचेस्टर स्थित संस्थान से समझौता

निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास ने फाउंडेशन डे बताई संस्थान के आगे की योजना

सीआईएमपी इवनिंग प्रोग्राम के तहत भी

एलुमिनी ने साझा किए अपने अनुभव

कार्यक्रम में आठ चुनिंदा एलुमिनी को मंच पर बुलाया गया था। इनलोगों ने अपने अनुभव साझा किए। इसमें 2011-13 बैच की प्रिया, 2013-15 बैच के अमितेश वर्मा सहित कई थे। ये सभी विभिन्न निजी कंपनियों में बड़े ओहदे पर हैं।

कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। जिसमें छात्रा ने बाजीराव मस्तानी के गाना पर डांस पेश कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था।

बिहार के छात्र अंग्रेजी में फंस रहे हैं...

स्थापना दिवस कार्यक्रम के समापन के बाद निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास ने एक प्रेसवार्ता आयोजित की। जिसमें उन्होंने बताया कि संस्थान इवनिंग क्लास शुरू करने जा रहा है। इसके तहत पार्ट टाइम में दो वर्षीय पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट कोर्स कराया जाएगा। हालांकि, शुरू करने का समय तय नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के विद्यार्थी अंग्रेजी में फंस जा रहे हैं। इसे प्राथमिकता में रखना होगा। उन्होंने दहेज प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ कैंपेन शुरू करने की भी बात कही।

रविवार को सीआईएमपी के 10 वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बोती एक एलुमिनी।

14 लाख का ऑफर

डॉ. दास ने बताया कि इस बार भी 100 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। एक छात्रा को अधिकतम 14 लाख रुपए ऑफर किया गया है। इस बार 24 कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए आई थीं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनेगा सीआईएमपी

संस्थान की 10वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में बोले निदेशक, जुटे पूर्ववर्ती और वर्तमान छात्र, फैकल्टी मेम्बर

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

पटना।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) ने रविवार को अपनी 10वीं वर्षगांठ मनायी। यह समारोह संस्थान सभागार में आयोजित हुआ और इसमें सभी आठ पिछले बैच के पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों, फैकल्टी मेंबर और स्टाफ ने भाग लिया।

सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह कल की बात है। एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज परिसर में एक प्रतीकात्मक, एक कमरे से संस्थान को शुरू करने से लेकर इस विशाल 10 एकड़ के अत्याधुनिक परिसर तक की यात्रा तय की गयी। यात्रा आरामदायक नहीं थी। हमें कई मौसमों का सामना करना पड़ा। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व के लिए धन्यवाद, जिससे कि हमने सभी तूफानों का सामना किया और आज मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की लीग में आज सीआईएमपी खड़ा है और मैं शर्त लगा सकता हूं कि अगले पांच सालों में हम वास्तव में अंतरराष्ट्रीय संस्थान बन जाएंगे।

समारोह को संबोधित करते सीआईएमपी के निदेशक वी. मुकुंद दास।

डॉ. दास ने कहा कि सीआईएमपी एकमात्र संस्थान है, जिसमें मुख्यमंत्री का बहुत योगदान है। उन्होंने सस्थान के प्रबंधन में कभी हस्तक्षेप नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने अपने एक दशक की यात्रा के दौरान पांच अंतरराष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों में काम कर रहे सीआईएमपी के पूर्व छात्रों के प्रदर्शन से संतोष व्यक्त किया। इनमें से कुछ केपीएमजी, टीएएस, नेस्ले, आईटीसी, सीपी, कैफे कफी डे और दुनिया भर की बाकी कंपनियों में काम करके सीआईएमपी और बिहार राज्य का नाम कर रहे हैं। निदेशक ने पूर्ववर्ती छात्रों से कहा कि वे खुद को सर्वश्रेष्ठ हासिल करने और बिहार को और अधिक हासिल करने में मदद करें।

समारोह में सभी आठ उत्तीर्ण कर चुके बैचों के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभवों को साझा किया। दूसरे बैच के पूर्व छात्र, केपीएमजी के साथ काम कर रहे मनीष पाठक ने अपने ही मामले का हवाला देते हुए कहा कि सीआईएमपी सभी को सबसे अच्छा माहौल और संसाधन प्रदान करता है, जिससे कि छात्र अन्य बी-स्कूलों के पास आउट छात्रों से आसानी से प्रतिस्पर्धा कर सकें। वर्तमान में आईटीसी के साथ काम कर रहे एक अन्य छात्र अमृतेश वर्मा ने कहा कि उन्हें पांच आईआईएम से फोन आया था, लेकिन उन्होंने सीआईएमपी में प्रवेश लेने का फैसला किया और अब उन्हें पता है कि उन्होंने सही विकल्प चुना था। आठवें बैच की पूर्व छात्रा पूजा सिंह ने कहा कि सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है और उन्होंने वर्तमान के दोनों बैचों के पीजीडीएम छात्रों को लर्न टू लर्न के लिये प्रेरित किया।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05 ! Dated:05-02-2018

CIMP alumni walk down memory lane

Faryal Rumi

Patna: Cultural show and talks by its alumni marked the 10th foundation day of Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) on Sunday. A number of alumni attended the function and shared their experiences.

"Started off from a symbolic one-room institute on the A N Sinha Institute of Social Sciences premises to this sprawling 10-acre

10TH FOUNDATION DAY

state-of-the-art campus has not been a comfortable journey. We had to face several rough times. Thanks to the visionary leadership of chief minister Nitish Kumar that we weathered all storms. Today, I'm very happy to say that CIMP stands in the league of reputed national institutions of the country," CIMP director V Mukunda Das said.

Elaborating about the achievements of the institute, Das said CIMP has bagged five international and two national awards during its journey. "In the next five years, CIMP will definitely get the status of an international institute," he said.

TOI

Alumni and students of CIMP at the 10th foundation day of the institution on Sunday

Das expressed satisfaction over the performance of the alumni who have been working in various organizations across the world and bringing laurels to CIMP and Bihar. Exhorting the students to bring more laurels to Bihar, the director told them to achieve the best of themselves and help Bihar more. Das further said he has got an emotional attachment with the people of the state and declared that he would continue working for Bihar.

A few alumni of the institute shared their experiences. Manish Pathak, an alumnus of the second batch and working with KPMG, said the CIMP provided the ambience and the best resources so that its students could compete with the pass-outs from the pioneer B-schools across the country and abroad.

Amritesh Verma, who is working with ITC, said he had calls from five IIMs, but he chose to join CIMP and it was a right choice.

Students of postgraduate diploma in management (PGDM) presented a dance performance and welcomed the alumni. The director felicitated the former students with mementos and certificates.

Times of India ! Page.No-02 ! Dated:05-02-2018